गुरु शिष्य परंपरा का निर्वहन

तेवर वही, अंदाज नया .....!
साप्ताहिक

उज्जैन टाइम्स

डाक रजिस्ट्रेशन नं. मालवा डिवीजन-
L2/65/RNP/397/2024-2026

प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा

RNI No. 7583/61

● वर्ष : 63, अंक : 23 ● उज्जैन, मंगलवार दिनांक 05-03-2024 से 11-03-2024 तक ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 2 रुपये

''मेरे पिता जनाब किया। 47 वर्ष पूर्व रहे चांदखा शेख का विद्यार्थियों के इस स्नेह को उनके 1977 में देखकर अपनी संस्कृति विद्यार्थि रहे पर गर्व हुआ, अत्यंत सर्वश्री मनमोहक दु:खद है अब हम शर्मा, मनोहर पश्चिमी संस्कृति को गर्ग, द्वारकादास अपना कर गर्त में जा नागर, सुरेश शाह, रहे हैं। सभी का दिल से माथुर जी व आभार। उसी अवसर के संजीव आचार्य ने कुछ फोटो।''
घर आकर स्वागत

● मोहम्मद शेख

उज्जैन। अध्यापक श्री चाँद खाँ शेख पिता श्री नासीर खाँ शेख का जन्म 1 दिसंबर 1923 को खातेगाँव जिला देवास में हुआ था। जिन्होंने हमें महाराजवाड़ा स्कूल में अंग्रेजी/हिन्दी पढ़ाई थी जो कि वर्तमान में 100 वर्ष के हो चुके हैं। हम महाराजवाड़ा क्रमांक 3 के छात्र बड़े सौभाग्यशाली है। जिससे एक बात प्रतिपादित होती है कि गुरु शिष्य परंपरा आज भी जीवित है।

अपने शिष्यों से मिलते हुए श्री शेख साहब ने अपना उद्‌बोधन में सभी के स्वस्थ एवं प्रसन्न रहने का आशीर्वाद प्रदान किया एवं सभी को परिवार सहित सुखी रहने का आशीर्वाद भी दिया। इस अवसर पर छात्रों द्वारा अपने गुरु का सम्मान शॉल, श्रीफल एवं मिठाई से मुंह मीठा कर किया गया एवं पुष्पमालाओं से आत्मीय स्वागत किया। आज के इस युग में 101 वर्ष पूरे करना अपने आप में और एक मिसाल है, अद्‌भुत है कि आज हम सभी 60+ वर्ष के हो जाने के उपरांत भी 76-77 में पढ़ाने वाले शिक्षक सर्वश्री व्हाय के दुबे जी, विश्वनाथ जोशी जी, व्हाय के मिश्राजी, बीएस चौहान जी, यादव जी का सम्मान करने का सौभाग्य हमें प्राप्त होता रहा है। इसी कड़ी में हमें शेख साहब का सम्मान उनके घर पर करने का सुनहरा अवसर हमें आज मिला। सभी मित्र शेख परिवार का आभारी हैं कि उन्होंने यह अवसर प्रदान किया, इस पल के साक्षी रहे। छात्र मनमोहन शर्मा, मनोहर गर्ग, द्वारकादास नागर, सुरेश शाह, माथुर जी एवं संजीव आचार्य उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

महिलाओं की दुनिया लगातार निखर रही

अपने देश में महिला प्रीमियर लीग, यानी डब्ल्यूपीएल का आगाज हो चुका है। दुनिया भर में महिला खेलों का विकास बदस्तूर जारी है। इसे पिछले साल एक नई ऊर्जा मिली थी। दरअसल, साल 2023 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने लंबे अंतराल के बाद दो टेस्ट खेले। इंग्लैंड में द हंड्रेड वीमेंस कॉम्पिटिशन (क्रिकेट प्रतियोगिता) के दूसरे संस्करण का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ। टूर डी फ्रांस फेमिनिन (साइकिल प्रतियोगिता) एक रोमांचक शृंखला साबित हुई। फॉर्मूला वन ने महिला ड्राइवरों के लिए फीडर प्रोग्राम की घोषणा की। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने संयुक्त रूप से फीफा महिला विश्व कप का आयोजन किया। इंग्लैंड की महिला फुटबॉल टीम की गोलकीपर मैरी इयरप्स ने क्रिकेटर स्टुअर्ट ब्रॉड और गोल्फर रोरी मैक्लरॉय जैसे खिलाड़ियों को पछाड़ते हुए बीबीसी स्पोर्ट्स पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर का खिताब जीता, वहीं द गार्जियन के फुटबॉलर ऑफ द ईयर के लिए स्पेनिश खिलाड़ी जेनी हर्मोसो को नामित किया गया। जाहिर है, खेलों में महिलाओं की दुनिया लगातार निखर रही है, पर सुधार की गति उम्मीद से धीमी है। अब डब्ल्यूपीएल में ही 10 टीमें हैं, पर पांच टीमों के साथ इसे शुरू किया गया। बेशक, बीसीसीआई ने फिल्मी सितारों के प्रदर्शन से इसके उद्घाटन समारोह को आकर्षक बना दिया, पर कोलकाता नाइट राइडर्स (जिसके मालिक शाहरुख खान हैं) जैसी बड़ी आईपीएल फ्रेंचाइजी के पास अब भी डब्ल्यूपीएल टीम नहीं है। इसी तरह, महिला और पुरुष, दोनों क्रिकेट खिलाड़ियों को समान वेतन जरूर मिलता है, लेकिन महिलाएं शायद ही टेस्ट क्रिकेट खेलती हैं। फ्री हिट-द स्टोरी ऑफ वीमेंस क्रिकेट इन इंडिया की लेखिका सुप्रिता दास कहती हैं, इन सबके अलावा परदे के पीछे कई अन्य मसले भी हैं और टीम व बैकरूम स्टाफ के चयन-प्रक्रिया भी उलझी हुई है। आईपीएल और आईएसएल के साथ काम करने वाले मार्केटिंग प्रोफेशनल मानते हैं कि प्रायोजकों को महिलाओं के खेल में निवेश करने के लिए मनाना आज भी काफी मुश्किल होता है। उनमें यह पूर्वाग्रह भी है कि महिलाओं के खेल की गुणवत्ता कमजोर होती है, जो सच नहीं है। हालांकि, सवाल सिर्फ प्रायोजकों का नहीं है, पेशेवर रूप से खेलने में सक्षम बनने के लिए महिला खिलाड़ियों को खुद कई चुनौतियों से टकराना पड़ता है। विकसित देशों से लेकर विकासशील दुनिया तक, जिम्नास्टिक से लेकर कुश्ती तक, बीच वॉलीबॉल से लेकर फुटबॉल तक, तमाम जगहों पर महिला खिलाड़ियों को जूझना पड़ता है। सरकारी निकायों व खेल संस्थाओं द्वारा उन्हें हतोत्साहित किया जाता है। और, यह सब तब हो रहा है, जब महिलाओं के खेल अविश्वसनीय रूप से मुख्यधारा में आने लगे हैं। भारत की सात ओलंपिक पदक विजेता महिलाओं में एक साक्षी मलिक ने अपने व अन्य पहलवानों के साथ भारतीय कुश्ती महासंघ के मुखिया बृजभूषण शरण सिंह द्वारा किए गए कथित दुर्व्यवहार की ओर सबका ध्यान खींचने के लिए कई दिनों तक विरोध-प्रदर्शन किया। उधर, अमेरिका में लगातार कई ओलंपिक पदक जीतने वाली सिमोन बाइल्स सहित कई युवा जिमनास्टों के साथ टीम के डॉक्टर ने वर्षों तक दुर्व्यवहार किया। जाम्बिया महिला फुटबॉल टीम के कोच पर तो यौन-उत्पीड़न का आरोप था, फिर भी उनको विश्व कप टीम का हिस्सा बनाया गया।नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, कनाडा, ब्रिटेन और कोलंबिया की फुटबॉल टीमों में वेतन-बोनस न मिलने के खिलाफ आवाज बुलंद होती रही।

आयुर्वेद आचार आधारित प्राचीन आयुर्विज्ञान है

स्वस्थ जीवन और दीर्घायु सबकी अभिलाषा है। वैदिक ऋषि सौ वर्ष के स्वस्थ जीवन के लिए स्तुतियां करते थे। प्राचीन काल का जीवन प्रकृति रस से भरपूर था। लेकिन आधुनिक जीवनशैली के कारण रोग बढ़ रहे हैं। रोग रहित जीवन और स्वस्थ जीवन में अंतर है। रोगी शरीर में अंतर्संगीत नहीं होता। स्वस्थ जीवन और दीर्घायु में आनंदपूर्णता है।

भारत में अनेक चिकित्सा पद्धतियां हैं। आयुर्वेद आचार आधारित प्राचीन आयुर्विज्ञान है और एलोपैथी उपचार आधारित चिकित्सा विज्ञान। होम्योपैथी यूनानी सिद्धा आदि पद्धतियां भी हैं। स्वस्थ जीवन के लिए सब उपयोगी हैं। लेकिन यहां योगगुरु रामदेव पर आयुर्वेद से भिन्न चिकित्सा प्रणाली की आलोचना के आरोप हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा दायर याचिका में सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने इसे गलत बताया है। कोर्ट ने पहले भी इसे गलत बताया था। शरीर रहस्यपूर्ण संरचना है। इसकी आतंरिक गतिविधि का बड़ा भाग जान लिया गया है। चिकित्सा विज्ञानियों को इसका श्रेय है। आयुर्वेद का जन्म लगभग 4000 वर्ष ई.पूर्व ऋग्वेद के रचनाकाल में हुआ और विकास अथर्ववेद (3000 ई.-2000 ई.पूर्व) में। मैकडनल और कीथ ने वैदिक इंडेक्स में लिखा है, भारतीयों की रुचि शरीर रचना सम्बधी प्रश्नों की ओर बहुत पहले से थी। अथर्ववेद में अनेक अंगों के विवरण हैं और यह गणना सुव्यवस्थित है। अथर्वेद आयुर्वेद का वेद है। इन लेखकों ने आयुर्वेद के दो आचार्यों चरक व सुश्रुत का उल्लेख किया है। अथर्ववेद में सैकड़ों रोगों व औषधियों का उल्लेख है।

यूरोप में एलोपैथी का विकास 17वीं सदी के आसपास हुआ। एचएस मेन ने लिखा है, भारतीयों ने चिकित्सा शास्त्र का विकास स्वतंत्र रूप से किया। पाणिनि के व्याकरण में विशेष रोगों के नाम है। मालूम होता है कि चिकित्सा शास्त्र का विकास उनके पहले 300 ई. पूर्व हो चुका था। अरब चिकित्सा प्रणाली की आधार शिला संस्कृत ग्रंथों के अनुवादों पर रखी गई। यूरोपीय चिकित्सा शास्त्र का आधार 17वीं सदी तक अरब चिकित्सा शास्त्र ही था। एलोपैथी सुव्यवस्थित आधुनिक चिकित्सा पद्धति है। कहा जाता है कि इस चिकित्सा का नाम (1810 ई.) जर्मन चिकित्सक डॉ. सैमुअल हैनीमैन ने एलोपैथी रखा था। इसका अर्थ भिन्न मार्ग है। इसे पश्चिमी चिकित्सा विज्ञान/आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी कहते हैं। इसका चिकित्सातंत्र बड़ा है और शोध का दायरा भी। इसने करोड़ों लोगों को पुनर्जीवन दिया है। सर्जरी, रेडिएशन, सीटी स्कैन, एमआरआई सहित तमाम घटक विस्मयकारी हैं। कारोना महामारी के दौरान जीवन की परवाह त्यागते हुए उपचार करने वाले वैज्ञानिक, चिकित्सक व पैरा मेडिकल स्टाफ प्रशंसनीय रहे हैं। आयुर्वेद आयु का विज्ञान है। यह चिकित्सा विज्ञान होने के साथ स्वस्थ रहने की जीवनशैली भी है। चरक संहिता आयुर्वेद का प्रतिष्ठित ग्रंथ है। संहिता की शुरूआत जीवन सूत्रों से होती है। बताते हैं, यहां बताए गए स्वस्थव्रत का पालन करने वाले 100 वर्ष की स्वस्थ आयु पाते हैं। आरोग्य सुख है और रोग दुख। दुख का कारण रोग है। फिर रोगों का कारण बताते हैं, इन्द्रिय विषयों का अतियोग, अयोग और मिथ्यायोग ही रोगों के कारण हैं। रोगों से बचने के

लिए जीवनशैली पर जोर है। यह प्राकृतिक होनी चाहिए। कोरोना महामारी के समय रोग निरोधक शक्ति की चर्चा थी। चिकित्सा विज्ञान में इसकी प्रभावी दवा नहीं है। आयुर्वेद में गिलोय सहित अनेक औषधियां रोग निरोधक शक्ति बढ़ाने वाली कही जाती थीं। महामारी की अवधि में ऐसी औषाधियों की मांग बढ़ी। अश्वगंधा, जटामांसी, गुग्गुल जैसी औषधियों का प्रयोग बढ़ा। चाय की जगह काढ़ा शिष्टाचार बना। चरक संहिता में सैकड़ों रोगों के उपचार हैं। अवसाद की भी औषधि है। अथर्ववेद के ऋषि ज्वर उत्ताप पर भी सजग थे। कहते हैं, कुछ ज्वर एक दिन छोड़कर, कुछ दो दिन बाद आते हैं। ज्वर अपने साथ परिवार भी लाता है। यह अपने भाई कफ के साथ आता है। खांसी इसकी बहन है। राजयक्ष्मा भतीजा है। इनकी औषधियां हैं। कोरोना के समय रोगी को समाज से अलग रखा जाता था। अथर्ववेद (2.9) में कहते हैं, रोग के कारण समाज से अलग रहे ये व्यक्ति पुनः जनसपर्क में जाए।

आयुर्वेद में शरीर की रोग निरोधक क्षमता बढ़ाने की औषधियां हैं। माना जाता है कि इस क्षमता को बढ़ाकर रोगों को रोका जा सकता है। एलोपैथी में शरीर का तापमान बढ़ने पर पैरासीटामाल दी जाती है। एन्टीबायटिक भी देते हैं। इन औषधियों का बुरा प्रभाव होता है। एसीटाइल सैलिसिलिक एसिड रक्त को तरल बनाने की दवा बताई जाती है। चिकित्सक इसे हार्ट अटैक से बचने की दवा भी बताते हैं। इसके प्रयोग के भी खतरे हैं। आयुर्वेद में रक्त तरलता की औषधियां हैं। आधुनिक चिकित्सा में साइड इफेक्ट बड़ी समस्या है। पर ऐसी छोटी बातों से कोई पद्धति हेय या श्रेय नहीं हो जाती। रोग मुक्ति के लिए औषधियों की उपयोगिता है। स्टरायड खतरनाक दवा है। संभवतः इसका प्रभावी विकल्प नहीं है। ऐसे मामलों में शोध की आवश्यकता है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में निरंतर शोध चलते हैं। अभी भी चल रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन संसूचित रहता है। पहले वैज्ञानिक शोध और फिर किन्हीं जीवों पर प्रभाव का आकलन। फिर मनुष्यों पर दवा के प्रभाव का आकलन। यह अच्छी बात है। लगातार शोध से चिकित्सा विज्ञान समृद्ध होता है। लेकिन आयुर्वेद में शोध की आत्मनिर्भर व्यवस्था नहीं है। यूं भारत में आयुर्वेद का सम्मान बढ़ा है। ज्ञान विज्ञान क्षेत्रीय नहीं होते। वे शोध सिद्धि के बाद सार्वजनिक संपदा बन जाते हैं। आयुर्वेद आयु का वेद है। इसमें भोजन, पाचन, श्वसन, चिंतन, तनाव, स्मृति और निद्रा भी स्वस्थ रहने के विषय हैं। आयुर्वेद का प्रभाव भी अंतरराष्ट्रीय हो चुका है लेकिन इसमें भी शोध की आवश्यकता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और आयुर्वेद सहित अन्य चिकित्सा प्रणालियों में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। सबका उद्देश्य मानवता का स्वास्थ्य है। सभी पद्धतियों को परस्पर ज्ञान का आदान-प्रदान करना चाहिए। योग गुरु सहित किसी भी महानुभाव को इस या उस चिकित्सा प्रणाली की आलोचना का कोई अधिकार नहीं है। ज्ञान अपना-पराया नहीं होता।

सभी पद्धतियों का लक्ष्य एक है। सबकी अपनी विशेषता है। सभी विज्ञान हैं। लेकिन सीमा भी है। डाइबिटीज से विश्व का बड़ा भाग पीड़ित है। इस रोग को समाप्त करने की दवा नहीं है। पारकिंसन (कम्पन रोग) की भी दवा नहीं है। इन्हें संयत करने की दवाइयां आजीवन खानी पड़ती है। मस्तिष्क की गतिविधि का बड़ा भाग अज्ञेय है। मानव मस्तिष्क जटिल संरचना है। सुख, दुख, ज्ञान व बुद्धि की अनुभूति मस्तिष्क क्षेत्र की गतिविधि से होती है। सुनते हैं कि प्रार्थना का प्रभाव गहन होता है। अवसाद का जन्म और विकास मस्तिष्क में होता है। विषाद का भी। उल्लास और प्रसाद प्रसन्नता देते हैं। इसका उल्टा भी हो सकता है। संभव है कि प्रसन्नता से उल्लास आता हो। स्वप्नों का केन्द्र भी मस्तिष्क है। सिगमण्ड फ्रायड ने साइको एनालिसिस लिखी थी। फ्रायड का लिविडो-कामना क्षेत्र विचारणीय है। फ्रायड ने सृजन कार्य को भी लिविडो से जोड़ा था।

जल्द ही उज्जैन जाएगा धर्मस्व विभाग का मुख्यालय, शिफ्टिंग के पीछे का कारण उज्जैन में आयोजित होने वाला सिंहस्थ महापर्व

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग को लेकर बड़ा निर्णय लिया है। इस विभाग का डायरेक्ट्रेट अब भोपाल से हटाकर सीएम डॉ. मोहन यादव के गृह जिले उज्जैन में शिफ्ट किया जाएगा। सीएम ने इस संबंध में एक नोटशीट विभाग को भेजी है। विभाग ने प्रशासकीय स्वीकृति के लिए मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी के पास प्रस्ताव भेजा है।

यह संचालनालय तीर्थ दर्शन सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक मेलों का आयोजन करता है। वर्तमान में धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग का संचालनालय सतपुड़ा भवन, भोपाल में संचालित होता है।

शिफ्टिंग के पीछे सिंहस्थ

मुख्यालय की शिफ्टिंग के पीछे का कारण उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ को बताया जा रहा है। हर 12 वर्ष में उज्जैन में सिंहस्थ का आयोजन होता है। अगस्त सिंहस्थ 2028 में होना है, इसमें धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग की बड़ी भूमिका रहेगी। धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग का मुख्यालय उज्जैन में शिफ्ट होने के बाद पूरा स्टाफ वहीं बैठेगा। हालांकि विभाग के प्रमुख सचिव व अन्य स्टाफ भोपाल में ही बैठेगा।

शिफ्टिंग की तैयारी की जा रही

धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग के प्रमुख सचिव ई रमेश के अनुसार सरकार की मंशा अनुसार धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग डायरेक्ट्रेट उज्जैन में शिफ्ट करने की कार्रवाई की जा रही है।

अयोध्या चले, महाकाल के भक्त..., जयकारा लगाते हुए मंत्रियों संग अयोध्या के लिए रवाना हुए सीएम मोहन यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव अयोध्या धाम जाने के लिए अपने मंत्रियों के साथ एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए हैं। सीएम मोहन आज (4 मार्च) को अपने मंत्रिमंडल के साथ अयोध्या में श्री रामलला का दर्शन करेंगे। इस बीच सीएम मोहन यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा कि महाकाल के भक्त अयोध्या जी चले। इस वीडियों में सीएम को जयकारा लगाते हुए देखा जा सकता है।

वहीं मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कैबिनेट की बैठक से पहले कहा कि मंत्रियों का भगवान श्री राम के दर्शन के लिए शासकीय रूप से अयोध्या जाना बहुत महत्वपूर्ण मौका है। उन्होंने इसके लिए सभी को बधाई दी और कहा कि यह यात्रा भगवान श्री राम के प्रति आदर का प्रकटीकरण है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि अयोध्या की इस यात्रा के बाद देवस्थानों के संबंध में लिए गए फैसलों और संकल्पों के काम में राज्य सरकार तेजी से आगे बढ़ेगी।

सीएम मोहन ने क्या कहा?

सीएम मोहन ने कहा कि मंत्रिपरिषद की आगामी बैठक में मंत्रिमंडलीय उप-समिति बनाकर धर्मस्व, राजस्व और संस्कृति विभाग को आपस में जोड़ा जाएगा। जिस तरह कृषि उत्पादन आयुक्त के अंतर्गत कृषि सहकारिता, उद्यान आदि कुछ विभाग होते हैं।

वैसे ही एक वरिष्ठ अधिकारी इन विभागों के प्रभारी होंगे। ग्रामीण क्षेत्र में स्थित देवस्थानों के लिए पंचायत और ग्रामीण विकास, नगरीय क्षेत्र में स्थित देवस्थानों के लिए नगरीय विकास और आवास विभाग भी इसमें शामिल रहेंगे। वहीं अयोध्या धाम सहित प्रदेश के अंदर और प्रदेश के बाहर स्थित प्रमुख देवस्थान में राज्य सरकार द्वारा धर्मशालाएं विकसित करने की दिशा में पहल की जाएगी। अन्य राज्य सरकारों को मध्य प्रदेश स्थित देवालयों में अपने राज्य की धर्मशालाएं विकसित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव के इस प्रस्ताव का मंत्री परिषद के सदस्यों ने स्वागत किया।

यादव के निर्देश पर आरजीपीवी प्रकरण में पांच पर मामला दर्ज

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देश पर राजधानी भोपाल स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में चल रही कथित आर्थिक अनियमितता के संबंध में कुलपति समेत पांच लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। डॉ यादव ने कल इस संबंध में एक्स पर पोस्ट किया, मेरे संज्ञान में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय में चल रही आर्थिक अनियमितता का प्रकरण सामने आया है। मैंने त्वरित रूप से इस प्रकरण में एफआईआर दर्ज करने एवं विश्वविद्यालय की वित्त शाखा में पदस्थ सभी अधिकारियों को हटाकर उच्च स्तरीय समिति द्वारा जांच कराने के निर्देश दिए हैं। इस मामले में दोषी पाए जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर राज्य सरकार सख्त कार्रवाई करेगी।

स्मृति शेष

आंख में आंसू छोड़ गए पंकज उधास

(डॉ.मुकेश कबीर-विभूति फीचर्स)

पंकज उधास मुकद्दर के सिकंदर थे, उन्हें गजल गायकी का राजेश खन्ना कहा जा सकता है। राजेश खन्ना की तरह ही पंकज जी का कैरियर और स्टारडम रहा। बड़े बैक ग्राउंड के कारण ब्रेक तो घर बैठे ही मिला लेकिन फिर संघर्ष और बाद में ऐसे चमके कि पूरा फलक ही रोशन किया और सबसे खास बात यह कि अपने से बेहतर फनकारों को पीछे छोड़कर एक दशक तक एकछत्र राज किया लेकिन फिर ग्राफ गिरा तो उठा नही और आखिर में कैंसर..।

पंकज जी की अपार सफलता आश्चर्यजनक भी है क्योंकि उनके पास न तो मेंहदी हसन जैसा इंप्रोवाजेशन था न गुलाम अली जैसी मुर्कियां और न ही जगजीत जैसी रेंज लेकिन फिर भी उन्होंने इन सबको बहुत पीछे छोड़ दिया और आम आदमी में गजल का पर्याय बने,शायद इसका सबसे बड़ा कारण उनकी सरलता थी।उनकी खूबसूरती भी ऐसी थी कि फिल्मों में उनको गजल गायक की भूमिका ही मिल गई और घर घर में लोकप्रिय हो गए। पंकज जी की एक और खासियत यह रही कि उन्होंने कभी भी स्टारडम को हावी नहीं होने दिया और सबके साथ फैमिलियर होकर रहे,जागीरदार परिवार में जन्म के कारण रॉयल जीवन शैली जरूर रही लेकिन ईगो कभी नहीं रहा, सालों तक कैंसर पीड़ितों की मदद की, उन्हें कैंसर से लड़ने की ताकत देते रहे लेकिन नियति ऐसी कि आखिर में खुद कैंसर का शिकार हो गए। अब क्या कहें समझ नही आता। उनकी ही कुछ पंक्तियां हैं- खून के रिश्ते तोड़ गया तू, आंख में आंसू छोड़ गया तू.....।

पाकिस्तान में बन रहा इकलौता राम मंदिर, मुसलमान कारीगर बना रहे इमारत, 200 साल पुराना है इतिहास

इस्लामाबाद। अयोध्या में में हाल ही में राम मंदिर का उद्घाटन हुआ है। उसके बाद यूएई के अबू धाबी में भी एक विशाल मंदिर बना है, जिनकी काफी चर्चा रही है। इस सबके बीच पाकिस्तान में भी एक राम मंदिर बन रहा है। ये भले ही अयोध्या या अबू धाबी की तरह बड़ा नहीं है लेकिन वहां की अल्पसंख्यक हिन्दू आबादी के लिए काफी अहमियत रखता है और आस्था का केंद्र है। पाकिस्तान के डेरा रहीम यार खान के रहने वाले माखन राम जयपाल ने अपने एक यूट्यूब वीडियो में इस मंदिर का दर्शन किया है और इसके बारे में जानकारी दी है।

माखन राम जयपाल के मुताबिक, सिंध प्रांत के इस्लामकोट में करीब 200 साल पुराना राम मंदिर है। आसपास की हिन्दू आबादी के लोग यहां आकर पूजा अर्चना करते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ये पाकिस्तान का अकेला हिन्दू मंदिर है, जहां बाकायदा पूजा होती है। इस मंदिर की इमारत काफी पुरानी होने की वजह से जर्जर हो चुकी है। ऐसे में अब इसके बराबर में ही नई मंदिर की नई इमारत बनाई जा रही है। इस नई इमारत को बाबर और जुल्फिकार नाम के दो मुस्लिम युवक तैयार कर रहे हैं।

मंदिर बना रहे कारीगर और मजदूर सब मुस्लिम

माखन ने बताया है कि मंदिर बनाने में लगे कारीगरों के अलावा मजदूर भी मुसलमान ही हैं। इन लोगों ने कहा कि उनको अगले छह महीने में मंदिर की नई इमारत बन जाने की उम्मीद है। इसके बाद जो मूर्तियां पुराने मंदिर में रखी हैं। उनको पूरे विधान के साथ नई इमारत में विराजमान कर दिया जाएगा। इस मंदिर में भगवान राम, सीता और लक्ष्मण की मूर्तियों के अलावा भगवान शिव की मूर्ति भी स्थापित है।

मंदिर बना रहे बाबर ने बताया कि वह मदिंर इस्लामकोट में संत नेनुराम आश्रम भी बना चुके हैं। इस आश्रम की भी पाकिस्तान के हिंदू समुदाय में काफी प्रतिष्ठा है। ये आश्रम करीब 10 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है, इसमें मंदिर और एक बड़ी विश्राम स्थल भी है। पाकिस्तान में आजादी से पहले बने अनेक मंदिर हैं। हालांकि ज्यादातर अब देखरेख की कमी के चलते खराब हालात में हैं।

कॉविड के बाद हो रहे हृदयाघात से बचने हेतु उपाय

1. प्रसन्न रहें। बोले तो ज्यादा लोड नहीं लेना। संसार आपके दम पर नहीं चल रहा।भगवान महाकाल चला रहे। सुख दुख हानि लाभ आयेंगे चले जायेंगे। आप सहज भाव से चलते रहें। तभी बच पाएंगे।
2. बहुत आराम तलब न बनें।
3. बहुत भारी, तला हुआ, ज्यादा मीठा, अधिक मात्रा में सामान्य भोजन भी ना करें।
4. रात्रि जल्दी भोजन करें,15 मिनिट वॉक करें।जल्दी सोएं। गृहस्थ धर्म का पालन अवश्य कर सोएं।
5. कम से कम 7 घंटे आराम करें।फिर भी थकान है तो आराम और करें।
6. सुबह दोस्तों के साथ घूमने जाएं। खूब हंसे। मस्ती करें। खेलें। योग, आसन, भजन, प्राणायाम, ध्यान करते रहिए।
7. गाय का दूध और घी खाएं।
8. हल्का नाश्ता,दूध, मेवे लें।
9. सुबह जल्दी भोजन करें।

10 से 11 तक।

भोजन में जौ, पुराना गेंहू, पुराना चावल, लाल ब्राउन चावल, मूंग दाल, हरी सब्जी, छाछ, आमला का नित्य प्रयोग करें।

10. एक स्थान पर 30 मिनिट से ज्यादा न बैठें। उठकर घूम लें।
11. दोस्तों के साथ, बीबी के साथ चाय चर्चा।
12. शाम को भोजन और भजन पूरे परिवार के साथ करें।
13. आयुर्वेद का एक रसायन जीवन में अपनाएं।

बुद्धि-शंखपुष्पी, गिलोय, हृदय-अर्जुन, किडनी-पुनर्नवा, लिवर-भूमिआमला, शुगर-हल्दी आमला, ब्लड प्रेशर-त्रिफला, ताकत-च्यवनप्राश, स्ट्रेस दूर-अश्वगंधा, स्किन-कत्था, मंजीठ और परामर्श से लेते रहें।

● जय आयुर्वेद
डॉ. रामतीर्थ शर्मा विभागाध्यक्ष
शासकीय धन्वंतरि आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय उज्जैन

मंत्री निर्मला भूरिया ने मूक बधिर बालिका गृह का किया शुभारंभ

इंदौर। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने रविवार को इंदौर भ्रमण के दौरान बरदरी रोड लिम्बोदागारी अरविंदो अस्पताल के पीछे आनंद सर्विस सोसायटी संस्था द्वारा संचालित मूक बधिर बालिकाओं के बालगृह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने डिजिटल ऑनलाइन कक्षाओं का शुभारंभ भी किया। कार्यक्रम में मंत्री निर्मला भूरिया द्वारा मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत स्पॉन्सरशिप योजना के पात्र 788 बालक/बालिकाओं को 4 हजार रुपये प्रतिमाह के मान से 09 माह की राशि के रूप में 3 करोड़ 15 लाख 76 हजार रुपये का चेक भी जारी किया गया। कार्यक्रम में संस्था आनंद सर्विस सोसायटी में मूक बधिर बालिकाओं हेतु स्मार्ट क्लास का भी शुभारंभ द्वारा किया गया। उक्त स्मार्ट क्लास के माध्यम से बालिकाएं अपनी शिक्षा और बेहतर ढंग से सुनिश्चित कर पायेगी। उक्त कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक तथा मंत्री के ओएसडी विशाल नाडकर्णी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग रामनिवास बुधौलिया, संयुक्त संचालक, सामाजिक न्याय विभाग सुचिता तिर्की बेक, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष पल्लवी पोरवाल एवं अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

वहीं, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट रविवार को सांवेर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बालरिया पहुंचे। यहां उन्होंने खेतों में पहुंचकर पिछले दिनों हुई बारिश से क्षतिग्रस्त फसलों का जायजा लिया। उन्होंने किसानों से चर्चा की और स्थिति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार किसानों की हितैषी सरकार है, उनके हर सुख-दुख में उनके साथ है। किसानों को किसी भी तरह की समस्या नहीं आने दी जायेगी।

मंत्री सिलावट ने फसलों की स्थिति के संबंध में कलेक्टर आशीष सिंह से चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि पिछले दिनों हुई बारिश से क्षतिग्रस्त हुई फसलों का सर्वे कराया जाए। इस संबंध में उन्होंने कलेक्टर से कहा कि वे अपने अधीनस्थ अमले को इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करें।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने किया संत विनोबा दर्शन पुस्तक का विमोचन

इंदौर। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि संत विनोबा भावे का जीवन आज भी समाज का मार्गदर्शन करता है। इंदौर की पत्रकारिता के पर्याय प्रभाष जोशी ने साठ के दशक में संत विनोबा की पद यात्रा के दौरान इन्दौर प्रवास पर जो रिपोर्टिंग की थी, वह एक दस्तावेज़ है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रविवार को इन संस्मरणों पर आधारित पुस्तक विनोबा दर्शन-विनोबा के साथ 39 दिन का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इन्दौर सभी शहरों को यह प्रेरणा देता है कि परोपकार के किसी भी कार्य पर एक आह्वान भर से सभी इंदौरवासी एकजुट हो जाते हैं। इंदौर प्रेस क्लब में आयोजित पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में इंदौर रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार राम बहादुर राय, स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, बुद्धिजीवी और आमजन उपस्थित थे।

जामगेट के समीप धंसका पहाड़, महू-मंडलेश्वर मार्ग का संपर्क टूटा

इंदौर। पर्यटक स्थल जाम गेट के नीचे पहाड़ का एक हिस्सा सोमवार सुबह धंसक गया।

इससे महू मंडलेश्वर मार्ग का संपर्क टूट गया। घटना के समय वहां से गुजर रहे राहगीरों ने भाग कर जान बचाई। घटना मंडलेश्वर थाना क्षेत्र की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह करीब 9 बजे जाम गेट से एक किलोमीटर आगे घाट पर पहाड़ का हिस्सा अचानक धंसकने लगा।

यह देखकर वहां से गुजर रहे राहगीरों ने भागकर जान बचाई। सड़क पर बड़ी-बड़ी चट्टानें गिर गई हैं, जिससे यातायात बंद हो गया है।

भाजपा 350 और गठबंधन 400 के पार की राह मुश्किल है?

2024 का बिगुल बज चुका है एक बार फिर जनता की कसौटी पर खरा उतरने के लिए तैयार है। इस बार के चुनाव बिना किसी मुद्दे या घटना के संपन्न होने जा रहे हैं। भारतीय मतदाता विशुद्ध रूप से भाजपा सरकार के पिछले पांच वर्षों के कामकाज पर समीक्षा कर वोट करेंगे । वर्ष 2019 में भाजपा ने 542 में से 303 सीटों पर विजय प्राप्त की थी। इस बार मोदी भाजपा के लिए 350 पार का नारा दे रहे हैं वहीं एनडीए गठबंधन 400 के ऊपर जाएगा यह कहा जा रहा है।

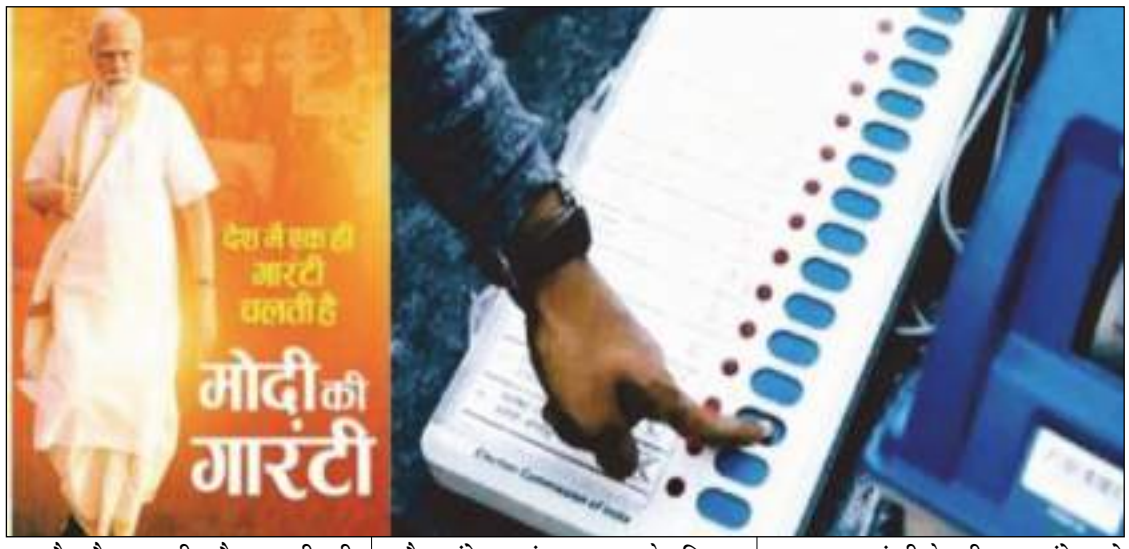

पिछली बार 2019 के चुनाव के पूर्व बालाकोट की घटना हुई थी। देश भर में राष्ट्रवाद की लहर छाई हुई थी। Pakistan को इस Dog Fight में मुंह की खानी पड़ी थी। Indian Air force ने जिस तरह से मुहतोड़ जवाब दिया उस सफलता से लेस हो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव मैदान में आए थे। यही नहीं मतदाताओं को पाकिस्तान की संसद में हुई चर्चा व इमरान खान की घबराहट के विडियो भी evm का बटन दबाते समय जेहन में थे। इसके बाद भी भाजपा को 542 में से 303 सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

भाजपा 350 और गठबंधन 400 के पार?

मोटे तौर पर देखें तो इस बार कांग्रेस और गठबंधन ने 2019 की तुलना में कुछ अच्छी तैयारी की है। ऊपर से बिखरा दिख रहा इंडिया गठबंधन उत्तर प्रदेश में सपा के अखिलेश यादव से, बिहार में तेजस्वी यादव से, महाराष्ट्र में एनसीपी व मूल शिवसेना से और बंगाल में ममता से गठबंधन की अंडरस्टैंडिंग बनाने में कामयाब होता नजर आ रहा है । हालांकि भाजपा ने नितीशकुमार को अपने पाले में लाकर बिहार में गठबंधन को तोड़ने के प्रयास जरूर किया हैं लेकिन नीतीश कुमार की आम जनता में कितनी विश्वसनीयता बची है इसके ऊपर निर्भर करेगा कि ऊंट किस करवट बैठेगा।

350 के आंकड़े को छूने में सबसे बड़ी बाधा महाराष्ट्र बिहार और कर्नाटक

भाजपा के 350 के आंकड़े को छूने में सबसे बड़ी बाधा है महाराष्ट्र यहां 48 सीट है और पिछली बार भाजपा को 23 और शिवसेना को 18 सीट प्राप्त हुई थी। वोट शेयर में भाजपा को 27.59 और शिवसेना को 23.2 फीसद वोट मिले थे। कांग्रेस और एनसीपी दोनों का वोट परसेंटेज यहां कम नहीं था दोनों मिलकर 34.24 प्रतिशत वोट ले गए थे। अब जबकि शिव सेना का विभाजन हो गया है और असली और नकली की लड़ाई है। किस पार्टी के साथ नकली शिवसेना है यह चुनाव में तय होगा। एकनाथ शिंदे बीजेपी के लिए कोई फायदे का सौदा नहीं है ना ही अजीत पवार कोई चमत्कार कर सकते हैं। इसलिए भाजपा को यहां पर 2019 में जीती गई 23 सीट लाना कठिन होगा।

इसी तरह कर्नाटक में वर्तमान में कांग्रेस की सरकार है और वर्ष 2019 में भाजपा ने यहां पर 28 में से 25 सीट जीती थी, बीजेपी को का वोट शेयर 51.38 फीसदी था। वहीं कांग्रेस को 3 सीट मिली थी और उसका वोट प्रतिशत 31.88 था। अब परिस्थिति बदल गई है ना कोई लहर है न ही बीजेपी की कर्नाटक में सरकार है। यहां से भी 25 सीट में जो घाटा होगा वह 303 में से ही जाएगा।

आइये देखते हैं वर्ष 2019 में हिंदी बेल्ट में भाजपा को अलग-अलग राज्यों में कितनी सीट मिली थी उत्तर प्रदेश में 80 में से 62, एमपी में 29 में से 28, राजस्थान में 25 में से 25 छत्तीसगढ़ में 11 में से 9, उत्तराखंड में पांच में से पांच, झारखंड में 13 में से 11, बिहार में 40 में से 17, हरियाणा में 10 में से 10, हिमाचल में चार में से चार,गुजरात में 26 में से 26 और महाराष्ट्र में 48 में से 28 इस तरह 291 सीट में 225 सीट जीतने में भाजपा कामयाब रही थी

इस बार 2024 में ना तो बालाकोट की घटना है ना ही राष्ट्रवाद की लहर है। मोदी लहर और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के भरोसे ही चुनाव में उतरी भाजपा क्या पूर्व चुनाव में 291 में से जीती 225 सीट बचाने में कामयाब रहेगी यह विचारणीय प्रश्न है। आमतौर पर देखा गया है कि जब सत्ता संघर्ष में चुनी हुई सरकारों को गिराया जाता है तो जनता नाराज हो जाती है। महाराष्ट्र झारखंड आदि में इसी तरह की हरकतें हुई है जिससे कि मतदाताओं पर असर पड़ने की संभावना नजर आ रही है। उद्धव की शिवसेना को राइट ऑफ नहीं किया जा सकता। मराठा अस्मिता के नाम पर गोल बंद हुए एनसीपी, उद्धव ठाकरे और कांग्रेस यहां पर भाजपा के विजय रथ को रोकने की पुरजोर कोशिश करेंगे। हरियाणा की 10 सीटों में से भी कुछ सीटों पर खतरा नजर आ रहा है किसान आंदोलन को लेकर यहां भी असंतोष बना हुआ है झारखंड में हाल ही में शिबू सरकार पर आए संकट को लेकर भी 13 में से 11 सीट जीतना बीजेपी के लिए कठिन होगा।

कांग्रेस भाजपा के विजय रथ को कर्नाटक में रोकने में कामयाब हो गई है और वहां पर भाजपा को 25 seat निकालना टेढ़ी खीर होगा। 2019 के चुनाव में भाजपा को पंजाब से केवल दो, तमिलनाडु से शून्य, त्रिपुरा से दो पश्चिम, बंगाल से 42 में से केवल 18 सीट मिली थी। इसी तरह दिल्ली की सातों सीट बीजेपी ने जीती थी लेकिन इस बार यहां भी केजरीवाल कांग्रेस से मिलकर पूरा जोर लगाएंगे।

350 सीट कहां से आएगी मोदी की गारंटी का का नारा कितना कामयाब होगा

भाजपा अपने वर्तमान सांसदों में से अधिकांश को टिकट न देकर एक नया दाव खेलने जा रही है। चुनाव की घोषणा मार्च के दूसरे सप्ताह में होगी उसके पहले ही एग्रेसिव रणनीति के तहत बीजेपी ने अपना प्रचार शुरू कर दिया है।

वर्ष 2019 में मोदी है तो मुमकिन है कि नारे ने जादुई काम किया था। मोदी है तो पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देना मुमकिन हुआ था, सर्जिकल स्ट्राइक ने इसमें और तड़का लगाया और जनमतप्रभावित कर गए। प्रधानमंत्री आवास, उज्जवला गैस और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि आदि योजनाओं ने मतदाता पर गहरा असर डाला। इस बार मोदी जी की झोले से कोई नई योजना नहीं निकली। अंतरिम बजट में सरकार के हाथ तंग थे। सरकार अति आत्मविश्वास से भरी है और अपनी पुरानी ही योजनाओं को प्रचारित कर वोट लेना चाहती है। अब मोदी जी कह रहे हैं कि जो योजनाएं पहले की है उनको आगे भी चलाने की गारंटी उनकी है। यही है मोदी की गारंटी। क्या Voters इस मोदी की गारंटी से आकर्षित होंगे? या फिर और कुछ नया चाहेंगे, यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

आएगा तो.....

यह स्पष्ट है कि मोदी का जादू Magic of Modi अभी खत्म नहीं हुआ है। कम से कम उत्तर भारत में तो मोदी की लहर चल रही है और इसी के सहारे वे पुनः सत्ता में आ रहे हैं, लेकिन भाजपा 350 और एनडीए 400 का नारा दूर की कौड़ी नजर आ रहा है। जैसे-जैसे चुनाव प्रचार आगे बढेगा यह बात और स्पष्ट होती जाएगी की 350 का आंकड़ा कितना कठिन है। फिर भी 2024 के चुनाव में तय है आयेंगे तो मोदी ही चाहे 280 से या 300 सीट से आये।

मप्र कैबिनेट का बड़ा निर्णय, जिला अस्पतालों को अपग्रेड कर बनाया जाएगा मेडिकल कॉलेज

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में सोमवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक हुई, जिसमें प्रदेश के हित में कई अहम निर्णय लिए गए। मंत्रि-परिषद की बैठक में निर्णय लिया गया है कि प्रदेश के हर ऐसे जिले, जहां मेडिकल कॉलेज नहीं हैं, वहां इन्हें पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर बनाया जाएगा। इसके लिए जिला अस्पतालों को मेडिकल कॉलेज में अपग्रेड किया जाएगा। काम निजी एजेंसी को दिया जाएगा। यह जानकारी बैठक के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दी। उन्होंने बताया कि उन्होंने बताया कि मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के ऐसे जिला अस्पतालों का पीपीपी मोड पर जिला चिकित्सा महाविद्यालय में उन्नयन के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है, जहां चिकित्सा महाविद्यालय नहीं हैं। यह काम निजी एजेंसी को देंगे। इन मेडिकल कॉलेजों में 75 फीसदी बेड गरीबों के लिए आरक्षित होंगे, जबकि 25 फीसदी बेड निजी एजेंसी उपयोग कर सकेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले मंत्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि मंत्रि परिषद के सदस्यों का भगवान राम के

दर्शन के लिए शासकीय रूप से अयोध्या जाना ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने इस शुभ घड़ी के लिए सभी को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह यात्रा भगवान श्री राम के प्रति आदर का प्रकटीकरण है। उन्होंने कहा कि अयोध्या की इस यात्रा के बाद देवस्थानों के संबंध में लिए गए निर्णय और संकल्पों के क्रियान्वयन में राज्य सरकार तेजी से आगे बढ़ेगी। मंत्रि परिषद की आगामी बैठक में मंत्रिमंडलीय उप समिति बनाकर धर्मस्व, राजस्व और संस्कृति विभाग को आपस में जोड़ा जाएगा। जिस तरह कृषि उत्पादन आयुक्त के अंतर्गत कृषि सहकारिता, उद्यान आदि कुछ विभाग होते हैं, वैसे ही एक वरिष्ठ अधिकारी इन विभागों के प्रभारी होंगे। ग्रामीण क्षेत्र में स्थित देवस्थानों के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा नगरीय क्षेत्र में स्थित देवस्थानों के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग भी इसमें शामिल रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभाग परस्पर तालमेल और समन्वय से देवस्थानों के विकास के लिए कार्य योजना बनाकर उनका क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे। राज्य शासन का उद्देश्य यह है कि मंदिर देवस्थान के साथ-साथ सामाजिक चेतना और समरसता का भी केंद्र बनें और मंदिरों में सामूहिक विवाह जैसे सामाजिक कार्य संपन्न हो। अयोध्या धाम सहित प्रदेश के अंदर और प्रदेश के बाहर स्थित प्रमुख देवस्थान में राज्य सरकार द्वारा धर्मशालाएं विकसित करने की दिशा में पहल की जाएगी, अन्य राज्य सरकारों को मध्य प्रदेश स्थित देवालयों में अपने राज्य की तरफ से धर्मशालाएं विकसित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

140 करोड़ देशवासी मेरा परिवार हैं-प्रधानमंत्री मोदी

आदिलाबाद। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को देश में परिवारवादी पार्टियों पर हमला करते हुए कहा कि उनके चेहरे अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन झूठ और लूट उनका सामान्य चरित्र होता है।

तेलंगाना के आदिलाबाद में एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मेरा भारत मेरा परिवार है। 140 करोड़ देशवासी मेरा परिवार हैं। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) अध्यक्ष लालू यादव के मोदी का कोई परिवार नहीं वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण में आकंठ डूबे इंडी गठबंधन के नेता बौखलाते जा रहे हैं। अब इन्होंने 2024 के चुनाव का अपना असली घोषणापत्र निकाला है। मैं इनके परिवारवाद पर सवाल उठाता हूं तो इन लोगों ने अब बोलना शुरू कर दिया है कि मोदी का कोई परिवार नहीं है।

उन्होंने कहा कि मेरा जीवन खुली किताब जैसा है। एक सपना लेकर मैंने बचपन में घर छोड़ा था, और जब मैंने अपना घर छोड़ा तब एक सपना लेकर के चला था कि मैं देशवासियों के जिऊंगा। इसलिए मैं कहता हूं कि 140 करोड़ देशवासी यही मेरा परिवार है। ये नौजवान यही मेरा परिवार है। आज देश की करोड़ों बेटियां, माताएं, बहनें यही मेरा परिवार है। आज देश का हर गरीब ये मेरा परिवार है। देश के कोटि-कोटि बच्चे बुजुर्ग ये मोदी का परिवार है। जिसका कोई नहीं है वे भी मोदी के हैं और मोदी उनका है। मेरा भारत मेरा परिवार है।

इंडी गठबंधन के नेतृत्व वाली विपक्ष की राजनीति पर हमला करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आई.एन.डी.आई. गठबंधन और बी.आर.एस. के वादे भ्रष्टाचार, वंशवादी राजनीति और तुष्टिकरण की प्रतिध्वनि हैं। उन्होंने कहा कि परिवारवादी पार्टियों के चेहरे अलग हो सकते हैं लेकिन उनका चरित्र एक ही होता है झूठ और लूट। उन्होंने कहा कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना बी.आर.एस. सरकार द्वारा किया गया एक बड़ा घोटाला है। मोदी ने आगे कटाक्ष करते हुए कहा कि तेलंगाना में जैसे टीआरएस के बीआरएस बनने से कुछ नहीं बदला था, वैसै ही बीआरएस की जगह कांग्रेस आने से कुछ नहीं बदला है। लेकिन उनका भ्रष्टाचार और वंशवादी राजनीति को बढ़ावा देने वाला स्वभाव अपरिवर्तित है।

तेलंगाना राज्य की समृद्ध विरासत और ऐतिहासिक विरासत के बारे में बात करते हुए, मोदी ने कहा कि तेलंगाना बहादुर रामजी गोंड और कोमाराम भीम की भूमि है। हमारी सरकार का लक्ष्य हैदराबाद में एक संग्रहालय के माध्यम से रामजी गोंड का सम्मान करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जनजातियों के सशक्तिकरण को हमेशा प्राथमिकता दी है। केंद्र की एनडीए सरकार ने द्रौपदी मुर्मू को भारत का राष्ट्रपति बनने में मदद की।

जनजातीय लोगों को सशक्त बनाने के लिए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमने हमेशा आदिवासी संस्कृति और विरासतों का सम्मान किया है, जिससे बिरसा मुंडा के सम्मान में जनजातीय गौरव दिवस मनाने की सुविधा मिली है। उन्होंने कहा कि पीएम जनमन जनजातीय कल्याण के लिए 24,000 करोड़ रुपये खर्च करने में सक्षम होगा, जिससे चेंचू, कोलम और कोंडा रेड्डी जैसी विभिन्न जनजातियों को लाभ होगा।

तेलंगाना में किसान कल्याण की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए मोदी ने कहा कि तेलंगाना के लोगों के सपने उनकी दृष्टि और मोदी की गारंटी के स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी ने तेलंगाना में किसानों के लिए हल्दी बोर्ड बनाने में सक्षम बनाया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कपास किसानों के लिए रिकॉर्ड एमएसपी की सुविधा प्रदान की है, साथ ही तेलंगाना में सात मेगा टेक्सटाइल पार्क स्थापित कर किसानों को सशक्त बनाया है। मोदी ने कहा कि तेलंगाना ने राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और विकसित भारत को साकार करने में उसकी बड़ी भूमिका है। उन्होंने तेलंगाना के लोगों को धन्यवाद दिया और आगामी लोकसभा चुनाव में उनसे भाजपा के लिए निरंतर समर्थन मांगा।

अश्वगंधा अभियान का हुआ शुभारंभ

उज्जैन। एक मार्च को मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा विक्रम उत्सव के शुभारंभ के अवसर पर अश्वगंधा अभियान का प्रारंभ उज्जैन जिले में किया गया। राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड भारत सरकार एवं राज्य औषधीय पादप बोर्ड भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में जिला आयुष विभाग उज्जैन के द्वारा उज्जैन जिले में अश्वगंधा अभियान चलाया जा रहा है।

जिला आयुष अधिकारी डॉ. मनीषा पाठक ने बताया कि अश्वगंधा अभियान का उद्देश्य है जनता के बीच अश्वगंधा के स्वास्थ्य लाभों दैनिक जीवन में औषधीय और पोषण मूल्य के बारे में जागरूकता पैदा करना और पूरे देश में इस संभावित औषधीय पौधे के उपयोग को बढ़ावा देना। इस अभियान के अंतर्गत पूरे जिले में 2 लाख अश्वगंधा के पौधों को आम लोगों तक 35 आयुष औषधालयो स्वयंसेवी संस्थाओं एवं जन सहयोग से वितरित किया जाएगा। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ.जितेंद्र जैन ब्लॉक उज्जैन ने बताया कि अभियान के शुभारंभ के अवसर पर 3000 अश्वगंधा के पौधों का निशुल्क वितरण किया गया।

आयुष विभाग किसानों को अश्वगंधा की खेती के लिए बढ़ावा दे रहा है। ज्यादा से ज्यादा किसान अश्वगंधा पौधे की खेती कर आर्थिक उन्नति करें क्योंकि 100 ग्राम अश्वगंधा की सेवन से ढाई सौ ग्राम एनर्जी और 50 ग्राम डाइटरी फाइबर प्राप्त होता है।

अश्वगंधा का उपयोग चिंता, तनाव, अनिद्रा रोग में ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने में जीवनीय शक्ति के विकास में शोथ रोग में सफेद दाग उच्च रक्तचाप आदि रोगों में किया जाता है।

अश्वगंधा की जड़ का प्रयोग आयुर्वेद एवं यूनानी अनेक औषधीयो के निर्माण में किया जाता है। अश्वगंधा के पौधे को घर में गमले में भी आसानी से लगा सकते हैं। इस अवसर पर जनता ने सेल्फी स्टैंड पर सेल्फी ली। विक्रम उत्सव अंतर्गत अश्वगंधा पौधा वितरण में डॉक्टर श्वेता गुजराती डॉक्टर पवन पाटीदार डॉक्टर राजेश्वरी मेहरा डॉक्टर तोरल चौहान कंपाउंडर रीना असदेवा रफीउद्दीन दिनेश करंजिया दवासाज श्री मुकेश परमार अब्दुल मुनाफ जितेंद्र केलकर योग सहायक श्री कुलदीप राठौर श्री राजेश शर्मा शबाब खान का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

10 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने माता वैष्णो देवी के किये दर्शन

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के कटरा शहर की त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित श्री माता वैष्णो देवी गुफा मंदिर में इस वर्ष के पहले दो महीनों (जनवरी-फरवरी) में 10 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने दर्शन किये हैं।

अब 6 मार्च को दिल्ली कूच करेंगे किसान, 10 मार्च को देशभर में रोकी जाएंगी रेलगाड़ियां

चंडीगढ़। शंभू व खनौरी बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे किसानों ने अब 6 मार्च को दिल्ली कूच व 10 मार्च को देशभर में चार घंटे के लिए रेलवे ट्रैक जाम करने का ऐलान किया है। यह जानकारी रविवार को किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने दी।

किसान नेता सरवण सिंह पंधेर खनौरी बॉर्डर पर मारे गए किसान शुभकरण की अंतिम अरदास के बाद यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देशभर के किसानों को ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की बजाए रेलगाड़ियों, बसों तथा अन्य साधनों से 6 मार्च तक दिल्ली पहुंचने का आहवान किया गया है। शंभू, खनौरी व अन्य स्थानों पर धरना दे रहे किसान भी 6 मार्च को दिल्ली कूच करेंगे। पंधेर ने कहा कि दिल्ली कूच को लेकर रणनीति बनाई जा रही है। हरियाणा-पंजाब को छोड़कर दूसरे राज्यों के किसान अपने-अपने तरीके से दिल्ली पहुंचे। चाहे वे ट्रेन से आए या फिर पैदल आए। वे सभी दिल्ली के लिए कूच करें। उन्होंने कहा कि इससे सरकार की मंशा साफ हो जाएगी कि क्या वह किसानों को बिना ट्रैक्टर ट्रॉली के दिल्ली आने देगी। हरियाणा-पंजाब के खनौरी-शंभू बॉर्डर पर ऐसे ही आंदोलन चलेगा। पंधेर ने कहा कि देशभर के किसान संगठनों की मदद से 10 मार्च को भारत में दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक रेलगाड़ियां रोकी जाएंगी। रेलगाड़ियों को कहां-कहां रोका जाएगा, इसका कार्यक्रम बहुत जल्द जारी कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार कहती है कि ट्रेन-बस से किसान दिल्ली पहुंच सकते हैं। दिल्ली जा रहे बिहार-कर्नाटक के किसानों को पुलिस ने ट्रेन से गिरफ्तार किया। अब दोनों संगठन किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) ने फैसला लिया कि 6 मार्च को देशभर के किसान दिल्ली कूच करेंगे। पंजाब सरकार को भी घेरते हुए पंधेर ने कहा कि शुभकरण केस में एफआईआर दर्ज करने के नाम पर खानापूर्ति की गई है।

जो किसान घायल हैं और अस्पतालों में इलाज करवा रहे हैं, उनके बयान लेकर अलग से एफआईआर दर्ज की जाए। पंधेर ने कहा कि पंजाब सरकार इसी सत्र के दौरान विधानसभा में किसान आंदोलन का समर्थन करने के लिए भी प्रस्ताव पारित करे।

व्यापार मेले में नागरिकों की सुविधा के लिये नगर निगम ने लगाए साइनेज बोर्ड, सीसीटीवी कैमरे

उज्जैन। विक्रमोत्सव अंतर्गत उज्जनिय विक्रम व्यापार मेले का आयोजन दशहरा मैदान एवं पीजिबिटी कॉलेज मैदान में किया जा रहा है। निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक मेले संबंधी सम्पूर्ण व्यवस्थाओं पर नजर बनाये हुए है, मेले में आने वाले नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए साइनेज बोर्ड लगाए गए है ताकि नागरिकों को मेला देखने मे आसानी हो, साथ ही मेले की सुरक्षा की दृष्टि से सम्पूर्ण मेला परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाये गए है।

निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक के मार्गदर्शन में निगम अमले द्वारा मेले संबंधी हर छोटी बड़ी व्यवस्था पर नजर रखते हुए मेले में पधारने वाले नागरिकों एवं व्यापारियों की सुविधाओं को ध्यान में रख मेले सम्बन्धी समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही है। साइनेज बोर्ड नागरिक अपनी सुविधा अनुसार मेले का भ्रमण कर सकते है इस हेतु सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में साइनेज बोर्ड लगाए गए है।

सुरक्षा व्यवस्था

सुरक्षा की दृष्टि से सम्पूर्ण मेला परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है इसके माध्यम से मेले की गतिविधियों पर नजर रखी जा रहा है, साथ ही गेटो पर सुरक्षा गार्ड लगाए गए है।

कंट्रोल रूम

व्यापारियों एवं नागरिकों की सुविधा हेतु पीजीबीटी एवं दशहरा मैदान में पृथक पृथक निगम कंट्रोल रूम स्थापित किए जाकर कर्मचारियों एवं अधिकारियों की शिफ्टवार ड्यूटी लगाई गई है।

सफाई व्यवस्था

मेले की सफाई व्यवस्था हेतु विशेष प्लान अनुसार सफाई मित्र अलग अलग शिफ्ट में तैनात किये गए है जो सुबह, दोपहर एवं रात्रि में सफाई कार्य कर रहे है।

साज सज्जा

नगर निगम द्वारा संपूर्ण मेले एवं मेला क्षेत्र में लिग्गी,झंडे एवम् गमलों सेआकर्षक साज सज्जा की गई। साथ है पारंपरिक आकर्षक गेट का निर्माण किया गया है। प्रकाश व्यवस्था एवं सजावट नगर निगम द्वारा सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था के साथ ही मेले से लगे रोड तथा कोठी रोड पर विशेष साज सज्जा की गई है।

अग्नि सुरक्षा

नगर निगम द्वारा मेले में किसी भी अप्रिय घटना से बचने हेतु हर संभव प्रयास किए जा रहे है जिसके अंतर्गत आगजनी से मेले के बचाव हेतु शहर की फायर ब्रिगेड से साथ ही अन्य जिलों से भी फायर फाइटर मंगवाई जाकर लगाई गई है तथा मेले का बीमा भी किया गया है।

शौचालय की व्यवस्था

व्यापारियों एवं नागरिकों की सुविधा हेतु मेला क्षेत्र में मॉड्यूलर टायलट एवं मोबाइल टॉयलेट लगाई गए है।

मनोरंजन

नागरिकों के मनोरंजन हेतु मेला मंच पर प्रतिदिन ज्वलंत शर्मा ग्रुप द्वारा संगीत की प्रस्तुति दी जाएगी।

पत्रकारों की सहनशीलता दूसरों के लिए अनुकरणीय-उपमुख्यमंत्री श्री देवड़ा

उज्जैन। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का संभागीय व जिला सम्मेलन शनिवार को मंदसौरमें संपन्न हुआ। इस संभागीय व जिला सम्मेलन में मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा, राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री शलभ भदौरिया, मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, पूर्व अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका मुकेश गोस्वामी, शिक्षाविद समाजसेवी श्री विजय सुराणा अतिथि के रूप में शामिल हुए। संभागीय अध्यक्ष श्री राजेंद्र राठौर, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ प्रीतिपाल सिंह राणा, संभाग महासचिव राजेंद्र अग्रवाल उज्जैन, श्रमजीवी पत्रकार संघ के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष शरद जोशी, राजेंद्र पुरोहित, संभागीय पदाधिकारी पं. अशोक त्रिपाठी, नरेंद्र धनोतिया, अशोक झलोया, अनिल नाहर, जिला अध्यक्ष प्रकाश बंसल, वरिष्ठ पत्रकार डॉ घनश्याम बटवाल, प्रदेश प्रभारी महासचिव सत्यनारायण वैष्णव, प्रदेश संयुक्त अभिषेक सक्सेना, आगर मालवा जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर शाजापुर, मनोज जैन, प्रदीप जैन नीमच, भेरूलाल टांक रतलाम, रामचंद्र गिरी उज्जैन भी मंचासीन थे।

मध्य प्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है । इस संगठन में वास्तविक रूप से पत्रकारिता क्षेत्र में कार्य करने वाले पत्रकार जुड़े हैं और वह निरंतर जनप्रतिनिधियों से संवाद बनाए रखते हैं । 1985 में जब मैने राजनीतिक क्षेत्र में शुरुआत की थी तभी से मुझ पर प्रदेश अध्यक्ष शलभ जी भदोरिया का आशीर्वाद रहा है। पत्रकारिता क्षेत्र में जो पत्रकार काम करते हैं वह कठिन काम है इस क्षेत्र में बहुत सहनशीलता रखनी पड़ती है यदि सहनशीलता सीखना है तो पत्रकारिता में काम करने वालों से सीखो। पत्रकर समाज के लिए प्रेरणादाई है वह जो काम करता है उससे समाज को दिशा मिलती है। पत्रकारों की आलोचना को कभी भी अपने पर व्यक्तिगत हमला नहीं समझना चाहिए बल्कि आलोचनाओं से सीख लेकर काम करना चाहिए तभी समाज व देश की उन्नति होगी। आपने कहा कि मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की जो भी मांग है उन्हें वह मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से चर्चा करेंगे और पत्रकार सुरक्षा कानून सहित सभी अन्य मांगों का निराकरण कराएँगे।

राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि श्रमजीवी पत्रकार संघ के नाम से ही परिलक्षित होता है कि यह संगठन पुरुषार्थ से पत्रकारिता करने वाले व्यक्तियों का संगठन है । पत्रकार का काम समाज को दिशा देने का होता है और इस संगठन से जुड़े व्यक्ति मंदसौर ही नहीं अपितु पूरे मध्यप्रदेश में समाज को दिशा देने का काम कर रहे हैं । समाज में जितना अन्याय है शोषण है वह कलम के माध्यम से ही हमारे जैसे जनप्रतिनिधियों के पास पहुंचता है इसीलिए अन्याय व शोषण के खिलाफ लिखने में पत्रकारों को कभी संकोच नहीं करना चाहिए।

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री शलभ भदोरिया ने कहा कि समाज हित में सच को उजागर करने वाली जितनी अच्छी खबरें प्रकाशित प्रसारित कर सकते हैं वह हमें जरूर करना चाहिए। वर्तमान समय में पत्रकारिता में धन का प्रभाव बड़ा है लेकिन हमें फिर भी धन के प्रभाव में आने की बजाय सच लिखने की आदत नही छोड़नी चाहिए। यदि व्यक्तिगत लाभ के लिए हम नेताओं की चमचागिरी व चरण वंदना करेंगे तो इससे पत्रकारिता का कभी भला नहीं होगा बल्कि पत्रकार और पत्रकारिता का स्तर और नीचे जाएगा।

इसलिए पत्रकार सभी जनप्रतिनीतियों से संवाद व तालमेल बनाए रखें लेकिन सार्वजनिक स्थानों पर चरण वंदना और चाटुकारिता से जरूर बचें। हम सरस्वती पुत्र हैं तो ज्ञान की महिमा बढ़ाये लेकिन धन के प्रभाव में आकर ज्ञान को गिरवी नहीं रखें। पत्रकार किसी भी विचारधारा से जुडा हो सकता है लेकिन हमारे पत्रकारिता में निष्पक्षता दिखना चाहिए तभी हम पत्रकार कहलाएंगे। आपने कहा कि हम अपने पत्रकार संघ को इतना मजबूत करें कि हमें पत्रकार संघ के नाम से जाना जाने लगे और हमें किसी भी परिचय की जरूरत नहीं पड़े। आप संगठन से अपेक्षा रखते हो लेकिन संगठन को आपने क्या दिया इस पर भी चिंतन मनन करें तभी हम और हमारा संगठन मजबूत होगा। हमारे पत्रकार संघ ने पत्रकारों के लिए काम किया है और कई मांगे शासन स्तर पर मंजूर कराई है। अध्यक्षता कर रहे संघ के संभागीय अध्यक्ष राजेंद्र राठौर ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदोरिया के नेतृत्व में संघ का विस्तार तेजी से बढ़ रहा है प्रदेश में भोपाल से लेकर तहसील स्तर तक संघ का गठन है। संघ में करीब 8 से 9 हजार पत्रकार साथी जुड़े हुए है। आपने सभी साथियों का अतिथियों का सब्दो के माध्यम से स्वागत किया।

कार्यक्रम को पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष श्री शरद जोशी ने संबोधित करते हुए कहा वर्तमान में प्रदेश के पत्रकारों को सुरक्षा की शख्त आवश्यकता है ।सरकार को पत्रकार सुरक्षा कानून को तत्काल लागू करना चाहिए।

आपने पत्रकारो की अनेक समस्याओं से अतिथियों को अवगत करवाया।तथा मांग की है। इनका तत्काल समाधान करें।समारोह को संभागीय प्रभारी अध्यक्ष प्रीत पाल सिंह राणा, महा सचिव राजेंद्र अग्रवाल ने भी संबोधित किया। सम्मेलन में रतलाम,उज्जैन नीमच मंदसौर अगर अगर शाजापुर देवास जिलों से सैकड़ो पत्रकार साथी सम्मिलित हुए। जानकारी महासचिव राजेन्द्र अग्रवाल ने दी।

महाकाल नगरी उज्जैन में राष्ट्रीय अटल अवार्ड संपन्न

उज्जैन। महाकाल नगरी उज्जैन में राष्ट्रीय अटल अवार्ड संपन्न श्रीमंत राजमाता सिंधिया फाउंडेशन भारत एवं अटल भारत क्रीड़ा और कला संघ भारत द्वारा कालिदास अकादमी उज्जैन में अटल नेशनल अवार्ड विभिन्न विधाओं में दिए गए।

संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष रिंकू यादव एवं सचिव चित्रेश शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमंत राजमाता विजय राजे सिंधिया घराने से पधारे श्री केशव जी पांडे साहब महापौर मुकेश टटवाल साहब महंत राजेंद्र भारती जी व फिल्म डायरेक्टर मुकेश आर के चौकसे जी फिल्म एक्ट्रेस साउथ से प्रीति चौकसे जी संस्थापक दिलीप चांद यादव हर्षित जैन नेहा सिंधिया विशाल सोलंकी धनीराम जी यादव उपस्थित थे खेल कला शिक्षा उद्यमिता रक्षा समाज सेवा दूरदर्शन साइंस स्किल एंड डेवलपमेंट चिकित्सा साहित्य एवं दिव्यांग खेलों में संपूर्ण भारत से आए उत्कर्ष कार्य करने वाली विभूतियां को अटल नेशनल अवार्ड से विभूषित किया गया। इस अटल अवार्ड सेरेमनी में 5 कैटिगरीज में चुनिंदा हस्तियों का चुनाव हुआ जिसमें अटल विभूषण अटल भूषण अटल श्री अटल अलंकरण एवं अटल यूथ से सम्मानित किया गया।

जिसमें अटल भूषण कैटेगरी में सर्वप्रथम उज्जैन एवं राष्ट्र एवं अंतर्राष्ट्रीय खेल जगत के तैराकी, फिनस्विमिंग,ट्रायथलान के एक्सपर्ट प्रशिक्षक श्री चित्रेश कुमार शर्मा का अटल भूषण दिया गया।

इसी के साथ में मरणोपरांत वसंत कुमार उपाध्याय कर्नल प्रदीप सिंह रक्षा उद्यमिता वर्ग में प्रांशु शर्मा एवं स्वाति कुलकर्णी, संगीत में महेश मोयल दीपाली त्रिवेदी डॉक्टर पल्लवी किशन शास्त्रीय नृत्य गुरु शिक्षा में बेस्ट प्रिंसिपल एवं बेस्ट स्कूल में सिस्टर कृपा मारिया कार्मल कान्वेंट स्कूल उज्जैन चिकित्सा में डॉक्टर सुरेंद्र दिल्लीवाल डॉक्टर निखार छानीवाल डॉक्टर विजेता कानूनगो समाज सेवा में केसर देवी उड़ीसा खेल डेवलपमेंट एवं खेल निदेशक खेल एक्सपर्ट ओमप्रकाश हरोड़ सोशल वेलफेयर में श्री महेश कुमार तिवारी अनूप मिश्रा फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट एक्सपर्ट एवं डायरेक्टर डॉक्टर श्रीमती स्वाति दुबे मिश्रा पत्रकारिता में डॉक्टर केशव कुमार पांडे सिंधिया घराना ग्वालियर एवं विशाल जी पारंपरिक नृत्य गोटी पुआ के लक्ष्मण महाराणा जी उड़ीसा साहित्य में डॉक्टर बृज कुमार पांडे अर्जुन अवार्ड एवं पैरालंपिक खेल में बंगाल से प्रशांत करमाकर इंटरनैशनल गोल्ड मेडलिस्ट, डॉक्टर किरण प्रकाश झारखंड अटल श्री से वर्ग से खेल में डॉक्टर चार्टर्ड अकाउंटेंट अनुभव प्रधान फिनस्विमिंग हरीश शुक्ला तेराकी प्रशिक्षक पैरालंपिक में मनस्वेता तिवारी इंटरनेशनल गोल्ड मेडलिस्ट, विनोद जाटव पैरालंपिक प्रशिक्षक रोहन बनर्जी यूथ खेलों में राजशेखर व्यास दूरदर्शन डायरेक्टर भावना जोशी एवं प्रियंका माने स्प्रिचुअल लीडर, स्किल डेवलपमेंट डॉ. किरण प्रकाश झारखंड संगीत में महेश मोयल एवं दीपाली त्रिवेदी और अन्य 55 विभूतियां को अन्य क्षेत्र में सम्मानित किया गया इस सफल आयोजन के लिए उज्जैन जिला तैराकी संघ के संरक्षक डॉक्टर सनवर पटेल कैबिनेट मंत्री एवं दीपक जैन व अनेक खेल हस्तियों ने बधाइयां प्रेषित की।

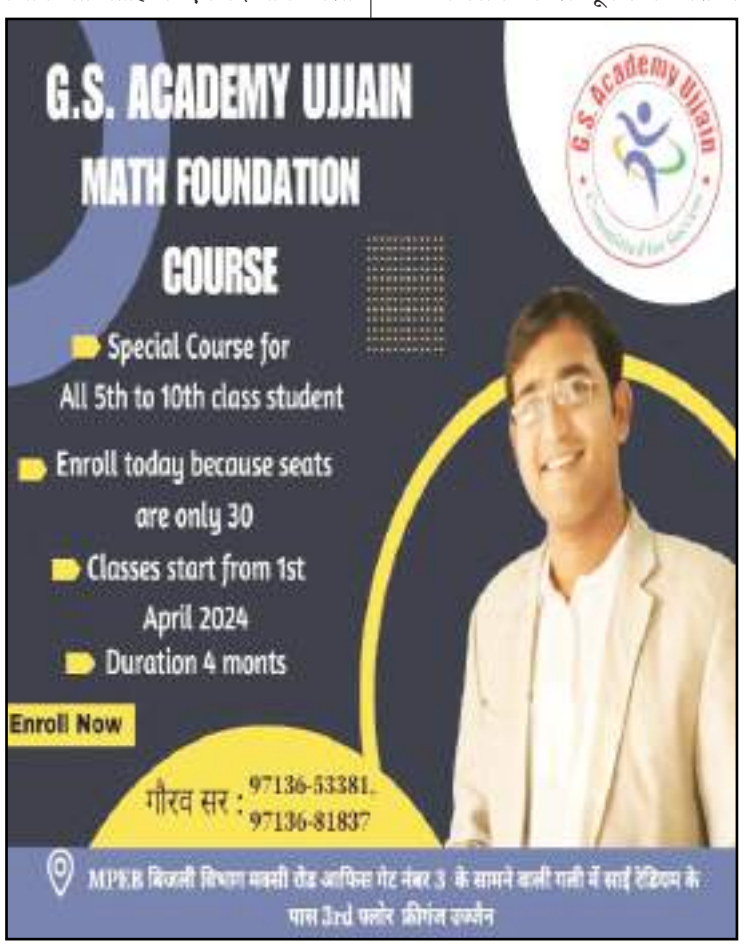

समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण घोषणा

फार्म-4

1.	प्रकाशन स्थल	-	उज्जैन
2.	प्रकाशन की अवधि	-	साप्ताहिक
3.	मुद्रक का नाम	-	मनमोहन शर्मा
	क्या भारत का नागरिक है	-	हाँ
	पता -	-	110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्ष के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन
4.	प्रकाशक का नाम	-	मनमोहन शर्मा
	क्या भारत का नागरिक है	-	हाँ
	पता -	-	110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्ष के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन
5.	सम्पादक का नाम	-	मनमोहन शर्मा
	क्या भारत का नागरिक है	-	हाँ
	पता -	-	110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्ष के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हो तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हो।	-	नहीं

मैं मनमोहन शर्मा एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य है।

हस्ताक्षर
मनमोहन शर्मा
सम्पादक/प्रकाशक

उज्जैन
05 मार्च, 2024

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्ष के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड़, उज्जैन से मुद्रित।
● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)। (म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)